SUBJECT NAME HISTORY

SUBJECT CODE 027

(Q.P. CODE 61-3-1)

Marking Scheme –Hindi medium

Strictly Confidential

(For Internal and Restricted use only)

Senior Secondary School Certificate Examination, 2026

सामान्य निर्देश:-

1	सीबीएसई ने 2026 की परीक्षा से कक्षा XII की उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकन के लिए ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) शुरू करने का निर्णय लिया है।
2	आप जानते हैं कि उम्मीदवारों के वास्तविक और सही आकलन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती भी गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकती है, जिससे उम्मीदवारों, शिक्षा प्रणाली और शिक्षण पेशे के भविष्य पर गहरा असर पड़ सकता है। गलतियों से बचने के लिए, आपसे अनुरोध है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले, मौके पर किए गए मूल्यांकन के दिशानिर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और समझें।
3	"मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। किसी भी तरह से इसका सार्वजनिक होना परीक्षा प्रणाली को बाधित कर सकता है और लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति/दस्तावेज़ को किसी के साथ साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना बोर्ड के विभिन्न नियमों और आईपीसी के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।"
4	मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना चाहिए। यह किसी की व्यक्तिगत व्याख्या या अन्य किसी विचार के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। अंकन योजना का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, मूल्यांकन करते समय, नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित और/या नवीन उत्तरों की शुद्धता का अलग से मूल्यांकन किया जा सकता है और उन्हें उचित अंक दिए जा सकते हैं। कक्षा XII में, दो योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और यदि उत्तर अंकन योजना के अनुसार नहीं है, लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता का उल्लेख किया गया है, तो उचित अंक दिए जाने चाहिए।

5	अंकन योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए अंक दिए गए हैं। ये केवल दिशानिर्देश हैं और पूर्ण उत्तर नहीं हैं। छात्र अपनी अभिव्यक्ति दे सकते हैं और यदि अभिव्यक्ति सही है, तो तदनुसार अंक दिए जाने चाहिए।
6	मुख्य परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकित की गई पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं की जाँच करनी चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि कोई भिन्नता पाई जाती है, तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद उसे शून्य कर दिया जाना चाहिए। शेष उत्तर पुस्तिकाएँ, जिनका मूल्यांकन किया जाना है, तभी दी जाएँगी जब यह सुनिश्चित हो जाए कि प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के अंकन में कोई महत्वपूर्ण भिन्नता नहीं है।
7	मूल्यांकनकर्ता सही उत्तरों पर (√) चिह्न लगाएंगे। गलत उत्तरों पर 'X' का निशान लगाया जाएगा। मूल्यांकन करते समय मूल्यांकनकर्ता सही (✓) चिह्न नहीं लगाएंगे, जिससे यह आभास होगा कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिए जाएंगे। यह मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा की जाने वाली सबसे आम गलती है।
8	यदि किसी प्रश्न के कई भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए OSM पोर्टल में दाईं ओर अंक दें। प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को OSM सिस्टम द्वारा कुल मिलाकर जोड़ा जाएगा।
9	यदि किसी प्रश्न के कोई भाग नहीं हैं, तो OSM पोर्टल में बाईं ओर के हाशिये में अंक दिए जाने चाहिए। इसका सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।
10	किसी त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटे जाएंगे। इसके लिए केवल एक बार ही दंड दिया जाना चाहिए।
11	उत्तर के लिए पूर्ण अंक प्रणाली 80 (उदाहरण के लिए प्रश्न पत्र में दिए गए 0 से 80/70/60/50/40/30 अंक) का उपयोग किया जाना है। यदि उत्तर उचित हो तो पूर्ण अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को अनिवार्य रूप से पूरे कार्य समय यानी प्रतिदिन 8 घंटे मूल्यांकन कार्य करना होगा और मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं और अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (विवरण स्पॉट दिशानिर्देशों में दिया गया है)। यह कम किए गए पाठ्यक्रम और प्रश्नपत्र में प्रश्नों की संख्या को ध्यान में रखते हुए किया गया है।
13	सुनिश्चित करें कि आप परीक्षक द्वारा अतीत में की गई निम्नलिखित सामान्य त्रुटियों को न दोहराएँ:

	• उत्तरों को सही चिह्नित करना, लेकिन अंक न देना। (सुनिश्चित करें कि सही निशान स्पष्ट रूप से लगा हो। यह केवल एक रेखा होनी चाहिए। गलत उत्तर के लिए X का निशान भी ऐसा ही होना चाहिए।) उत्तर का आधा या आंशिक भाग सही और शेष गलत चिह्नित करना, लेकिन अंक न देना।
14	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो उसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
15	वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले परीक्षकों को "मौके पर मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश" में दिए गए दिशा-निर्देशों से स्वयं को परिचित कर लेना चाहिए।
16	निर्धारित प्रोसेसिंग शुल्क का भुगतान करने पर उम्मीदवारों को अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने का अधिकार है। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/मुख्य परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए निर्धारित अंकों के अनुसार ही किया जाए।
17	अगर कोई कैंडिडेट किसी सवाल में दोनों ऑप्शन आज़माता है, जहाँ सिर्फ़ एक ऑप्शन आज़माना ज़रूरी है, तो इवैल्यूएटर दोनों ऑप्शन में मार्क्स देगा। सिस्टम दो में से ज़्यादा वाला स्कोर लेगा और दूसरे जवाब को नज़रअंदाज़ कर देगा।
18	दो विकल्पों वाले प्रश्न में, यदि उम्मीदवार ने केवल एक का प्रयास किया है, तो मूल्यांकनकर्ता उस विकल्प के सामने “एनए” (प्रयास नहीं किया गया) चिह्नित करेगा जिसका उम्मीदवार द्वारा प्रयास नहीं किया गया है।

अंक योजना
इतिहास (विषय कोड-027)
(पेपर कोड: 61/3/1) (12-03-27N)
नोट: अंक योजना में दी गई पृष्ठ संख्या नवीनतम NCERT ई-बुक से ली गई है।

प्रश्न सं.	मूल्यांकन बिंदु	पृष्ठ संख्या	अंक
	खंड – क **(बहु विकल्पीय प्रश्न)**		
1.	C - I, III और IV	**10,11,15,16**	**1**
2.	A - अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है ।	**32**	**1**
3.	B - II, IV, I और III	**31,32,36,37 ,50**	**1**
4.	C - धृतराष्ट्र	**57**	**1**
5.	A - गांधार **दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न** C - शाहजहाँ बेगम	**108** **83**	**1** **1**
6.	A - a-iv, b- i , c-ii, d-iii	**3,4,8,11**	**1**
7.	C - पितृवंश उत्तराधिकार	**55,56**	**1**
8.	D - पीटर मुंडी: इंग्लैंड	**137**	**1**
9.	B - I, II और IV	**158**	**1**
10.	C - तालीकोटा का युद्ध	**173**	**1**
11।	D - शाहजहाँ	**200**	**1**
12.	C - पोलाज	**214**	**1**
13.	B - शेख निज़ामुद्दीन औलिया – आगरा	**154**	**1**
14.	A- I, III और IV	**117**	**1**
15.	A - चार्ल्स कॉर्नवालिस	**229**	**1**
16.	D - बॉम्बे	**262**	**1**
17.	C - पंजाब	**287**	**1**
18.	A - a-iv, b-iii, c-ii, d- i	**320**	**1**
19.	A - अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है ।	**258**	**1**
20.	B- स्वामी विवेकानंद	**326**	**1**
21.	D - ब्रिटिश	**255**	**1**
	खंड – ख **(लघु उत्तरीय प्रश्न)**		

22.	**(क) कल्पना कीजिए कि आप एक राष्ट्रीय संग्रहालय में प्रदर्शित हड़प्पा मुहरों का अध्ययन कर रहे एक शोधार्थी हैं। व्यापार और प्रशासन में हड़प्पा मुहरों की भूमिका के किन्हीं तीन पहलुओं को स्पष्ट कीजिए।** 1. मुहरों और मुद्रांकनों से लंबी दूरी का व्यापार आसान हो गया। 2. मुहरें गीली मिट्टी पर दबाई जाती थी। 3. मुद्रांकनों से प्रेषक की पहचान भी पता चल जाती थी। कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए। **अथवा**	**15**	**3**
22.	**(ख) कल्पना कीजिए कि आप एक राष्ट्रीय संग्रहालय में हैं और मोहनजोदड़ो में मिली 'पुरोहित-राजा' की मूर्ति की प्रतिकृति देख रहे हैं। इस कलाकृति से आप हड़प्पा के बारे में कौन से तीन निष्कर्ष निकालेंगे? स्पष्ट कीजिए।** 1. एक पत्थर की मूर्ति को **'पुरोहित-राजा'** की संज्ञा दी गई थी। 2. मेसोपोटामिया के इतिहास से परिचित पुरातत्वविद सिंधु क्षेत्र में समानताएं देखते हैं। 3. वे धार्मिक लोग हो सकते हैं जिनके पास राजनीतिक ताकत हो। कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए।	**16**	**3**
23.	**मौर्य साम्राज्य के इतिहास के पुनर्निर्माण के लिए किन्हीं तीन स्त्रोतों का वर्णन कीजिए।** 1. मेगस्थनीज की इंडिका / विवरण 2. कौटिल्य का अर्थशास्त्र 3. अशोक के शिलालेख /अभिलेख 4. जैन ग्रंथ 5. बौद्ध ग्रंथ 6. पुरातात्विक प्रमाण 7. पौराणिक ग्रंथ 8. संस्कृत साहित्यिक कृतियाँ 9. मूर्ति 10. अशोकवदन 11. सिक्के कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए।	**32**	**3**
24.	**बर्नियर के विवरण ने भारतीय महिलाओं की सकारात्मक भूमिका को कैसे उजागर किया? स्पष्ट कीजिए।** 1. खेती और गैर-खेती, दोनों तरह के उत्पादन में महिलाएं हिस्सा लेती थीं। 2. व्यापारी परिवारों की महिलाएं व्यापारिक गतिविधियों में हिस्सा लेती थीं। 3. वे व्यापारिक झगड़ों को अदालत में ले जाते थे।	**136**	**3**

	4. यह असम्भाव्य है कि महिलाओं को उनके घरों की खास जगहों तक ही सीमित रखा जाता था। कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । किन्हीं तीन बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए।		
25.	**(क) " कबीर निर्गुण भक्ति के संत कवियों में से एक अत्यंत उत्कृष्ट उदाहरण हैं ।" इस कथन की व्याख्या कीजिए ।** 1. कबीर ने वेदांतिक परंपराओं से लिए गए शब्दों , अलख (अनदेखा), निराकार (निराकार), ब्रह्म, आत्मा, वगैरह से परम सत्य के बारे में बताया। 2. इस्लामी परंपरा से लिए गए अल्लाह, खुदा , हज़रत और पीर के रूप में परम सत्य का भी वर्णन किया। 3. शब्द (ध्वनि) या शून्य (खालीपन) जैसे वाले शब्द योगी परंपरा से लिए गए थे। 4. उनकी कुछ कविताएँ इस्लामी विचारों पर आधारित हैं। 5. वे हिंदू बहुदेववाद और मूर्ति पूजा पर खंडन करने के लिए एकेश्वरवाद और मूर्तिभंजन का इस्तेमाल करते हैं। 6. अन्य कवितायेँ ज़िक्र और इश्क़ के सूफ़ी सिद्धान्तों का इस्तेमाल नाम सिमरन की हिन्दू परंपरा की अभिव्यक्ति करने के लिए करते हैं । कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । किन्हीं तीन बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए। **अथवा**	**160-161**	**3**
25.	**(ख) " छठी शताब्दी के अलवारों ने एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की रचना की ।" इस कथन की व्याख्या कीजिए ।** 1. अलवार भगवान विष्णु के भक्त थे। 2. वे अपने देवताओं की स्तुति में तमिल में भजन गाते हुए एक जगह से दूसरी जगह घूमते थे। 3. अपनी यात्राओं के दौरान अलवारों ने कुछ खास धार्मिक स्थानों को अपने चुने हुए देवताओं के निवास के रूप में घोषित किया । 4. बाद में इन पवित्र जगहों पर अक्सर बड़े मंदिर बनाए गए। 5. ये तीर्थस्थल के रूप में विकसित हुए। 6. इन संत कवियों की गायन रचनाएँ मंदिर के रीति-रिवाजों का हिस्सा बन गईं। 7. अलवारों ने जाति व्यवस्था और ब्राह्मणों की प्रभुता के विरोध में आवाज़ उठाई । 8. भक्त विभिन्न सामाजिक पृष्ठभूमि से थे, जिनमें ब्राह्मणों से लेकर शिल्पकारों और किसानों तक और यहां तक कि "अस्पृश्य " मानी जाने वाली जातियों से भी थे। 9. अलवारों की रचनाएँ वेदों जितनी ही महत्वपूर्ण थीं। 10. उदाहरण के लिए, नलयिरादिव्यप्रबंधम को तमिल वेद के रूप में बताया जाता है।	**143-146**	**3**

	11. महिलाओं की मौजूदगी भी परंपरा का एक अहम हिस्सा थी। 12. उदाहरण के लिए, अंडाल , एक महिला अलवार संत। कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । किन्हीं तीन बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए ।		
26.	**1813 की पांचवीं रिपोर्ट के विभिन्न पहलुओं की आलोचनात्मक परख कीजिए ।** 1. पांचवीं रिपोर्ट, 1813 में ब्रिटिश संसद में पेश की गई थी । 2. इसमें भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी के प्रशासन तथा क्रोयाकलापों पर रोशनी डाली गई थी । 3. पांचवीं रिपोर्ट में 1002 पेज थे, जिनमें से 800 से ज़्यादा पेज परिशिष्टों के थे । 4. ज़मींदारों और रैयतों की याचिकाएँ , अलग-अलग ज़िलों के कलेक्टरों की रिपोर्ट, राजस्व सांख्यकीय तालिकाओं पर विवरण , और बंगाल और मद्रास की राजस्व और न्यायिक टिप्पणियां शामिल की गईं थी । 5. ब्रिटेन में कई समूह भारत और चीन के साथ व्यापार पर ईस्ट इंडिया कंपनी के एकाधिकार का विरोध करते थे । 6. वे शाही फ़रमान को रद्द करना चाहते थे, जिसने कंपनी को यह एकाधिकार दिया था । 7. कंपनी के कुशासन और कुप्रबंधन के बारे में जानकारी पर ब्रिटेन में गरमागरम बहस हुई । 8. कंपनी के अधिकारियों के लालच और भ्रष्टाचार की घटनाओं को प्रेस में खूब प्रचारित किया गया । 9. ब्रिटिश संसद ने भारत में कंपनी के राज को विनियमित और नियंत्रित करने के लिए कई अधिनियम पारित किए । 10. इसने कंपनी को भारत के प्रशासन पर नियमित रिपोर्ट तैयार करने के लिए मजबूर किया । 11. कंपनी के मामलों की जांच के लिए कई समितियां बनाई गईं । 12. पांचवीं रिपोर्ट एक प्रवर समिति द्वारा तैयार की गई थी । 13. यह भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन के स्वरुप पर गहरी संसदीय बहस का आधार बन गई । 14. पांचवीं रिपोर्ट हमें ग्रामीण बंगाल की स्थिति को समझने में मदद करती है । 15. पांचवीं रिपोर्ट में दिए गए सबूत बहुत कीमती हैं । 16. इस तरह की सरकारी रिपोर्ट को ध्यान से पढ़ना चाहिए । 17. हमें यह जानना होगा कि रिपोर्ट किसने लिखी और क्यों लिखी गई । 18. आधुनिक शोधों से पता चलता है कि पांचवीं रिपोर्ट में दिए गए तर्कों और सबूतों को बिना सोचे-समझे स्वीकार नहीं किया जा सकता । 19. पांचवीं रिपोर्ट में पारंपरिक ज़मींदारी सत्ता के खत्म होने को बढ़ा-चढ़ाकर बताया गया ।	**233-235**	**3**

	20. इसमें इस बात का ज़्यादा अंदाज़ा लगाया गया था कि ज़मींदार किस पैमाने पर अपनी ज़मीन खो रहे हैं। कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । किन्हीं तीन बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए।		
27.	**भारतीय कला और साहित्य ने 1857 के विद्रोह को प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के रूप में किस प्रकार चित्रित किया ? स्पष्ट कीजिए ।** 1. कला और साहित्य ने 1857 की याद को ज़िंदा रखने में मदद की है। 2. विद्रोह के नेताओं को देश को युद्ध में ले जाने वाले बहादुर लोगों के तौर पर पेश किया गया। 3. लक्ष्मीबाई के बारे में वीरतापूर्ण कविताएँ लिखी गईं । 4. झांसी की रानी को एक मर्दाना किरदार के तौर पर दिखाया गया। 5. सुभद्रा कुमारी चौहान की पंक्तियाँ: " खूब लड़ी मर्दानी वह तो झांसी वाली रानी थी " पढ़कर बच्चे बड़े हो रहे थे । 6. लोक छवियों में रानी लक्ष्मीबाई को लड़ाई के कवच में, हाथ में तलवार लिए और घोड़े पर सवार दिखाया गया है । 7. यह अन्याय और विदेशी शासन का विरोध करने के पक्के इरादे का प्रतीक है। 8. ये तस्वीरें दिखाती हैं कि इन्हें बनाने वाले चित्रकार ने उन घटनाओं को कैसे देखा, उन्हें कैसा लगा, और वे क्या बताना चाहते थे। 9. चित्रों और कार्टूनों के ज़रिए हम उन लोगों के बारे में जानते हैं जिन्होंने चित्र देखे , चित्र की तारीफ़ की या बुराई की, और अपने घरों में लगाने के लिए उनकी नकलें खरीदी। 10. ये तस्वीरें लोगों की भावनाओं और एहसासों को दिखाती हैं। 11. उन्होंने संवेदनशीलता को आकार दिया। 12. विद्रोह की राष्ट्रवादी तस्वीरों ने राष्ट्रवादी सोच को आकार दिया। कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । किन्हीं तीन बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए।	**283**	**3**
	खंड -ग **(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)**		

28.	**(क) "महाभारत को एक गतिशील ग्रंथ माना जाता है।" उदाहरणों सहित इस कथन की व्याख्या कीजिए ।** 1. महाभारत का विकास संस्कृत के पाठ के साथ ही नहीं रुका । 2. यह महाकाव्य कई भाषाओं में लिखा गया था । 3. यह महाकाव्य लोगों, समुदायों और इसे लिखने वालों के बीच बातचीत का एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया थी । 4. कई कहानियाँ जो खास इलाकों में शुरू हुईं या कुछ खास लोगों के बीच फैलीं, वे इस महाकाव्य में शामिल हो गईं । 5. महाकाव्य की मुख्य कहानी को अक्सर अलग-अलग तरीकों से दोहराया गया । 6. कई प्रसंगों को मूर्तिकला और चित्रकला में दिखाया गया । 7. इसने कई तरह के नाटकों और नृत्य कलाओं के लिए भी विषयवस्तु प्रदान की । 8. इसे मूर्तियों और नक्काशी – मंदिरों में दर्शाया गया है । 9. भागवद गीता । कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । किन्हीं आठ बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए ।	**77**	**8**
	अथवा		
28.	**(ख) "महाभारत ने पारिवारिक मूल्यों के विचारों को सुदृढ़ किया।" उदाहरणों सहित इस कथन की व्याख्या कीजिए ।** 1. पारिवारिक रिश्तों को अक्सर प्राकृतिक माना जाता है । 2. इन्हें रक्त सम्बन्ध के आधार पर, कई अलग-अलग तरीकों से बताया जाता है । 3. कुछ समाज चचेरे भाई-बहनों को खून का रिश्ता मानते हैं, जबकि दूसरे नहीं । 4. पितृवंश का मतलब है पिता से बेटे और पोते तक वंश का पता लगाना, जिससे पितृवंशीय उत्तराधिकार बनता है । 5. पितृवंश की निरंतरता के लिए बेटे महत्वपूर्ण थे । 6. कुछ विशिष्ट परिस्थितियों में स्त्रियाँ जैसे प्रभावती गुप्ता ने सत्ता का उपभोग किया । 7. बेटियों का घर के संसाधनों पर कोई अधिकार नहीं था । 8. बेटियों की शादी गोत्र से बाहर की जाती थी। 9. इसे बहिर्विवाह पद्धति कहा जाता था । 10. कन्यादान पिता का एक ज़रूरी धार्मिक कर्तव्य था। 11. लोगों को गोत्रों में बांटा गया था । 12. महिलाएं विवाह के बाद अपने पिता का गोत्र छोड़कर अपने पति का गोत्र अपनाती थीं । 13. एक ही गोत्र के लोग शादी नहीं कर सकते थे । 14. सातवाहन शासकों की पहचान मातृनाम (माँ के नाम से लिए गए नाम) से होती थी ।	**55-62**	**8**

	15. यह कहा जाता है कि माताएँ महत्वपूर्ण थीं, लेकिन किसी भी नतीजे पर पहुंचने से पहले हमें सावधान रहने की ज़रूरत है। 16. उचित सामाजिक भूमिकाएँ: द्रोण और एकलव्य , भीम और हिडिम्बा। कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । किन्हीं आठ बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए।		
29.	**(क) विजयनगर साम्राज्य के महानवमी डिब्बा की संरचनात्मक और अनुष्ठानिक विशेषताओं की परख कीजिए ।** (I) **संरचनात्मक विशेषताएं:** 1. पूरा क्षेत्र ऊंची दोहरी दीवारों से घिरा हुआ है। 2. उनके बीच एक सड़क है। 3. महानवमी डिब्बा एक बहुत बड़ा मंच है जो लगभग 11,000 sq. ft के आधार से 40 ft की ऊंचाई तक उठता है। 4. इस बात के सबूत हैं कि इस पर एक लकड़ी की संरचना बनी थी। 5. मंच का आधार उभारदार नक्काशी से ढका हुआ है। कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । किन्हीं चार बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए। (II) **अनुष्ठानिक विशेषताएं:** 1. इस संरचना से जुड़े अनुष्ठान, सितंबर और अक्टूबर के दस दिन के हिंदू त्योहार जिसे दशहरा (उत्तरी भारत), दुर्गा पूजा (बंगाल में) और नवरात्रि या महानवमी (प्रायद्वीपीय भारत में) के नाम से जाना जाता है, के महानवमी के अवसर पर निष्पादित किये जाते थे। 2. विजयनगर के शासक अपने रुतबे, ताक़त तथा अधिराज्य का प्रदर्शन करते थे । 3. इस मौके पर की जाने वाली रस्मों में मूर्ति की पूजा, राज्य के घोड़े की पूजा, और भैंसों और दूसरे जानवरों की बलि शामिल थी। 4. नृत्य, कुश्ती प्रतिस्पर्धा , और सजे-धजे घोड़ों, हाथियों, रथों और सैनिकों की शोभायात्रा एक मुख्य आकर्षण था। 5. राजा और उसके मेहमानों के सामने रस्मों के अनुसार औपचारिक भेंट पेश की जाती थी। 6. इन समारोहों के गहरे सांकेतिक अर्थ थे। 7. खुले मैदान में एक बड़े समारोह में राजा अपनी सेना और नायकों की सेनाओं का निरीक्षण करता था।	**180-181**	**4+4=8**

	8. नायक राजा के लिए कीमती तोहफ़े और तय किया हुआ कर भी लाते थे । कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । किन्हीं चार बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए। **अथवा**		
29.	**(ख) विजयनगर की किलेबंदियों की विशिष्ट विशेषताओं की परख कीजिए जो साम्राज्य की शक्ति को प्रतिबिंबित करती थी ।** 1. अब्दुर रज्जाक किलेबंदी से बहुत प्रभावित हुए थे । 2. उन्होंने किलों की सात पंक्तियों का उल्लेख किया । 3. ये न केवल शहर को बल्कि इसके खेती वाले इलाके और जंगलों को भी घेरे हुए थे । 4. सबसे बाहरी दीवार शहर के चारों ओर की पहाड़ियों को जोड़ती थी । 5. यह संरचना थोड़ी सी शुण्डाकार थी । 6. गारे या जोड़ने के लिए किसी भी वस्तु का इसके निर्माण में इस्तेमाल नहीं किया गया । 7. पत्थर के टुकड़े फानाकार थे, जो उन्हें अपनी जगह पर बनाए रखते थे । 8. दीवारों का अंदरूनी हिस्सा मिट्टी का था जिसमें मलबा भरा हुआ था । 9. बाहर की ओर निकले हुए चौकोर या आयताकार बुर्ज । 10. अब्दुर रज्जाक ने कहा कि "पहली, दूसरी और तीसरी दीवारों के बीच जुते खेत, बगीचे और घर हैं ।" 11. पेस ने कहा: "इस पहली परिधि से लेकर शहर में दाखिल होने तक बहुत दूरी है, जिसमें खेत हैं जिनमें वे धान बोते हैं और कई बगीचे हैं और बहुत सारा पानी है, जिसमें पानी दो झीलों से आता है ।" 12. इन बातों की आज के पुरातत्वविदों ने भी पुष्टि की है, जिन्होंने धार्मिक केंद्र और नगरीय केंद्र के बीच खेती की जगह के सबूत खोजे हैं । 13. यह क्षेत्र एक व्यापक नहर प्रणाली से सींचा जाता था जिसमें तुंगभद्रा नदी से पानी लाया जाता था । 14. किलेबंदी की दूसरी पंक्ति शहरी परिसर के आतंरिक हिस्से के चारों ओर थी । 15. एक तीसरी पंक्ति शासकीय केंद्र को घेरे हुए थी, जिसके अंदर इमारतों को अपनी ऊंची दीवारों से घेरा गया था । 16. किले में अच्छी तरह से सुरक्षित प्रवेश द्वार थे जो शहर को मुख्य सड़कों से जोड़ते थे । 17. प्रवेश द्वार विशिष्ट स्थापत्य के नमूने थे जो उन संरचनाओं को परिभाषित करते थे जिनमें प्रवेश को वे नियंत्रित करते थे । 18. इंडो-इस्लामिक शैली का इस्तेमाल किया गया था ।	**177-178**	**8**

	19. शहर के अंदर और बाहर की ओर सड़कें बनाई गईं। 20. सड़कें आम तौर पर घाटियों से होकर घूमती हैं, और पथरीले इलाके से बचती हैं। 21. कुछ सबसे ज़रूरी सड़कें मंदिर के प्रवेश द्वार से शुरू होती थीं, और उनके किनारे बाज़ार थे। कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं आठ बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए।		
30.	**(क) "असहयोग आंदोलन औपनिवेशिक भारत के इतिहास में एक अभूतपूर्व लोकप्रिय आंदोलन बन गया।"उपयुक्त तर्कों के साथ इस कथन को न्यायसंगत ठहराइए।** 1. गांधीजी ने "रॉलेट एक्ट" के खिलाफ पूरे देश में अभियान चलाने का आह्वान किया। 2. इसने लोगों के इकट्ठा होने के अधिकार पर रोक लगा दी थी । 3. लोगों को दो साल तक बिना जांच के हिरासत में रखा जा सकता था। 4. रॉलेट सत्याग्रह की सफलता के कारण गांधीजी ने ब्रिटिश शासन के साथ "असहयोग" अभियान का आह्वान किया। 5. जो भारतीय चाहते थे कि उपनिवेशवाद खत्म हो जाए, उनसे कहा गया कि वे स्कूल, कॉलेज और न्यायालय जाना बंद कर दें और कर न दें। 6. संघर्ष को बढ़ाने के लिए उन्होंने खिलाफत आंदोलन से हाथ मिलाया। 7. गांधीजी को उम्मीद थी कि खिलाफत के साथ असहयोग आंदोलन में शामिल होने से हिंदू और मुसलमानों को एक साथ लाया जा सकेगा। 8. इन आंदोलनों से ऐसी लोकप्रिय कार्रवाई हुई जो औपनिवेशिक भारत में पहले कभी नहीं हुई थी। 9. ब्रिटिश सरकार के साथ सभी अपनी मर्ज़ी से जुड़े संबंधों का त्याग करने लगे। 10. छात्रों ने स्कूल, कॉलेज जाना बंद कर दिया। 11. वकीलों ने अदालतों का बहिष्कार किया। 12. उत्तरी आंध्र में पहाड़ी जनजातियों ने जंगल के कानूनों का उल्लंघन किया। 13. अवध में किसान कर नहीं देते थे। 14. कुमाऊं के किसानों ने औपनिवेशिक अधिकारियों के लिए बोझ उठाने से मना कर दिया। 15. ये विरोध आंदोलन स्थानीय राष्ट्रवादी नेतृत्व के खिलाफ़ किए गए थे। 16. किसानों, मज़दूरों और दूसरों ने औपनिवेशिक शासन के साथ असहयोग करने की अपील को अपने फ़ायदे के हिसाब से सबसे सही तरीके से समझा और उस पर काम किया।	**290**	**8**

	17. महात्मा गांधी के अमेरिकी जीवनी लेखक लुईस फिशर ने लिखा, "असहयोग भारत और गांधीजी के जीवन में एक युग का नाम बन गया ।'' कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । किन्हीं आठ बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए । **अथवा**		
30.	**(ख) "नमक सत्याग्रह औपनिवेशिक शासन के विरोध में एक अखिल भारतीय अभियान था।" उपयुक्त तर्कों के साथ इस कथन को न्यायसंगत ठहराइए।** 1. दिसंबर 1929 में कांग्रेस ने नेतृत्व की बागडोर जवाहरलाल नेहरू को सौंप दी । 2. नेहरू ने " पूर्ण " स्वराज को अपना लक्ष्य बताया । 3. 26 जनवरी 1930 को "स्वतंत्रता दिवस" मनाया गया । 4. इस "स्वतंत्रता दिवस" के बाद, महात्मा गांधी ने घोषणा की कि वे नमक कानून तोड़ने के लिए एक यात्रा का नेतृत्व करेंगे । 5. नमक कानून सबसे ज़्यादा घृणित कानून था । 6. इसने राज्य को नमक बनाने और बेचने का एकाधिकार दे दिया था । 7. सभी क लिए नमक बहुत ज़रूरी था । 8. लोगों को घरेलू इस्तेमाल के लिए भी नमक बनाने से मना किया गया था । 9. उन्हें इसे दुकानों से ऊंचे दाम पर खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ा । 10. नमक पर राज्य का एकाधिपत्य बहुत अलोकप्रिय था । 11. गांधीजी को उम्मीद थी कि वे ब्रिटिश शासन के खिलाफ़ एक बड़ा असंतोष पैदा करेंगे । 12. गांधीजी ने अपनी "नमक यात्रा " की पहले से सूचना वायसराय लॉर्ड इरविन को दे दी थी, लेकिन वे इस कार्रवाई का महत्व नहीं समझ पाए । 13. 12 मार्च 1930 को गांधीजी साबरमती स्थित अपने आश्रम से समुद्र की ओर चल पड़े । 14. तीन हफ़्ते बाद वह अपनी मंज़िल पर पहुँचे और मुट्ठी भर नमक इकट्ठा किया । 15. देश के दूसरे हिस्सों में भी इसी तरह नमक यात्रा निकली गई । 16. किसानों ने औपनिवेशिक वन कानूनों का उल्लंघन किया । 17. फैक्ट्री कामगार हड़ताल पर चले गए । 18. वकीलों ने ब्रिटिश अदालतों का बहिष्कार किया । 19. विद्यार्थियों ने सरकारी शिक्षा संस्थानों में जाने से मना कर दिया। 20. नमक यात्रा कम से कम तीन कारणों से खास थी । 21. इससे महात्मा गांधी दुनिया की नज़र में आए ।	**295-298, 300**	**8**

	22. यह पहली गतिविधि थी जिसमें महिलाओं ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। 23. नमक यात्रा ने अंग्रेजों को एहसास दिलाया कि उनका राज हमेशा नहीं चलेगा । 24. उन्हें भारतीयों को भी सत्ता में हिस्सा देना पड़ेगा । कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । किन्हीं आठ बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए।		
	खंड -घ **(स्त्रोत आधारित प्रश्न)**		
	उपनिषद की कुछ पंक्तियाँ		
31.	**31. 1 श्लोक के अनुसार आत्मा कहाँ निवास करती है?** आत्मा हृदय में निवास करती है । **31. 2 आकार के संदर्भ में आत्मा का वर्णन कैसे किया गया है?** आत्मा को धान, यव या सरसों या बाजरे के बीज के दाने से भी छोटा बताया गया है । **31.3 छांदोग्य उपनिषद के अनुसार, जब कोई व्यक्ति वास्तव में स्वयं (आत्मा) को जान लेता है तो क्या होता है ?** जब कोई व्यक्ति वास्तव में स्वयं को जानता है i. वे दुनिया के साथ पूरी एकता का अनुभव करते हैं । ii. उनकी सारी इच्छाएं उनके अंदर ही पूरी हो जाती हैं । iii. उसे यह एहसास होता है कि वह ब्रह्म (सर्वव्यापी चेतना) ही है। iv. इस ज्ञान से वह हर प्रकार के बंधन, डर और दुःख से मुक्त हो जाता है । v. वह शुद्ध शांति और आनंद में स्थित हो जाता है। कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । किन्हीं दो बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए।	**85** **85** **85**	**1** **1** **2**
	भारत में चांदी कैसे आई?		
32.	**32. 1 अमेरिका से चांदी और सोना भारत कैसे पहुंचा ?** यूरोप, तुर्की और फारस के कई राज्यों से होकर चांदी और सोना भारत आता था। **32.2 जहाजों ने भारत में चांदी और सोने के प्रवाह में कैसे योगदान दिया ?** भारतीय, डच, अंग्रेजी और पुर्तगाली जहाज़ भारतीय सामान ले कर अन्य देशों में जाते थे और बदले में अलग-अलग देशों से सोना चांदी और अन्य सामान लाते थे।	**217** **217**	**1** **1**

	32.3 17वीं शताब्दी में भारत को वैश्विक व्यापार संजाल से कैसे लाभ मिला? i. भारत को बहुत सारा सोना और चांदी मिला। ii. इससे मुगल साम्राज्य समृद्ध हुआ। iii. मुगल अर्थव्यवस्था मजबूत हुई। iv. धातु मुद्रा की उपलब्धता में स्थिरता। v. सिक्कों की ढलाई का विस्तार। vi. अर्थव्यवस्था में मुद्रा संचार । vii. मुगल राज्य की कर वसूलने की क्षमता । कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । किन्हीं दो बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए ।	**217**	**2**
	संविधान का निर्माण		
33.	**33. 1 भारतीय संविधान को दुनिया का सबसे लंबा संविधान क्यों माना जाता है?** i. भारतीय संविधान ने भारत के बड़े आकार और सांस्कृतिक विविधता को ध्यान में रखा । ii. यह विस्तृत और व्यापक जानकारी देता है । iii. इसमें अलग-अलग तरह के समुदायों के लिए खास नियम शामिल हैं । कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । किसी एक बिन्दु का मूल्यांकन कीजिए ।	**316**	**1**
	33. 2 स्वतंत्रता के समय संविधान को क्यों आवश्यक माना गया? i. यह एक विशाल राष्ट्र को एक साथ रखने और एकजुट भारत में विश्वास रखने के लिए था । ii. इसका मकसद अतीत और वर्तमान के घावों को भरना था। iii. अलग-अलग वर्ग, जाति और समुदाय के भारतीयों को एक साझा राजनितिक प्रयोग में एक साथ लाना। iv. इसने लोकतांत्रिक संस्थाओं को बढ़ावा देने की कोशिश की। कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । किन्हीं दो बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए ।	**316**	**1**
	33. 3 संविधान ने भारत में लोकतंत्र को पोषित करने का प्रयास किस प्रकार किया ? i. प्रतिनिधि लोकतंत्र की स्थापना करके । ii. समानता के सिद्धांत स्थापित करके । iii. मौलिक अधिकारों की गारंटी देकर । iv. सामाजिक और आर्थिक न्याय को बढ़ावा देकर । कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । किन्हीं दो बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए ।	**316**	**2**

	खंड-ङ (मानचित्र -आधारित प्रश्न)		
34.	**34.1 भारत के दिए गए राजनीतिक रेखा- मानचित्र (पृष्ठ 27 पर) में निम्नलिखित स्थानों को उपयुक्त चिन्हों से अंकित कीजिए और उनके नाम लिखिए :** (i) लोथल - विकसित हड़प्पा पुरास्थल (ii) अमरावती – बौद्ध स्थल (iii) (क) दिल्ली - मुगलों के अधीन क्षेत्र **अथवा** (iii) (ख) विजयनगर - मध्यकालीन साम्राज्य	 **2** **95** **214** **174**	**1+1+1=3**
	34.2 भारत के इसी रेखा- मानचित्र पर,भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन से सम्बंधित केन्द्रों को 'A' और 'B' दो स्थानों के रूप में अंकित किया गया है । इनको पहचानिए और इनके सही नाम उनके निकट खींची गई रेखाओं पर लिखिए । A - दांडी / बारडोली B – चौरी चौरा **(संलग्न मानचित्र देखिये)**	 **295,296** **291**	**1+1=2**
	नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों क लिए प्र .स. 34 के स्थान पर हैं : **34.1 पश्चिमी भारत में किसी एक विकसित हड़प्पा पुरास्थल का उल्लेख कीजिए ।** **उत्तर:** धोलावीरा , नागेश्वर , लोथल , कालीबंगन (कोई भी एक)	 **2**	 **1**
	34.2 दक्षिण भारत में स्थित किसी एक प्राचीन बौद्ध स्थल का उल्लेख कीजिए। **उत्तर:** अमरावती, नागार्जुनकोंडा (कोई भी एक)	 **95**	 **1**
	34.3 (क) मुगलों के अधीन किसी एक क्षेत्र का नाम लिखिए । **उत्तर:** दिल्ली, आगरा, अजमेर, अम्बर, पानीपत (कोई भी) **अथवा** **34.3 (ख) विजयनगर साम्राज्य के किसी एक पड़ोसी साम्राज्य का नाम लिखिए ।** **उत्तर:** बीजापुर , अहमदनगर , गोलकोंडा, उड़ीसा (कोई भी एक)	 **214** **174**	 **1** **1**
	34.4 भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के किन्हीं दो केंद्रों के नाम लिखिए । **उत्तर:** दिल्ली, बॉम्बे, मद्रास, कलकत्ता, दांडी , खेड़ा , बारडोली , अहमदाबाद, चंपारण , चौरी चौरा , अमृतसर (कोई दो)	 **291,295,296**	 **2**

34.

प्रश्न सं. 34 के लिए For question no. 34

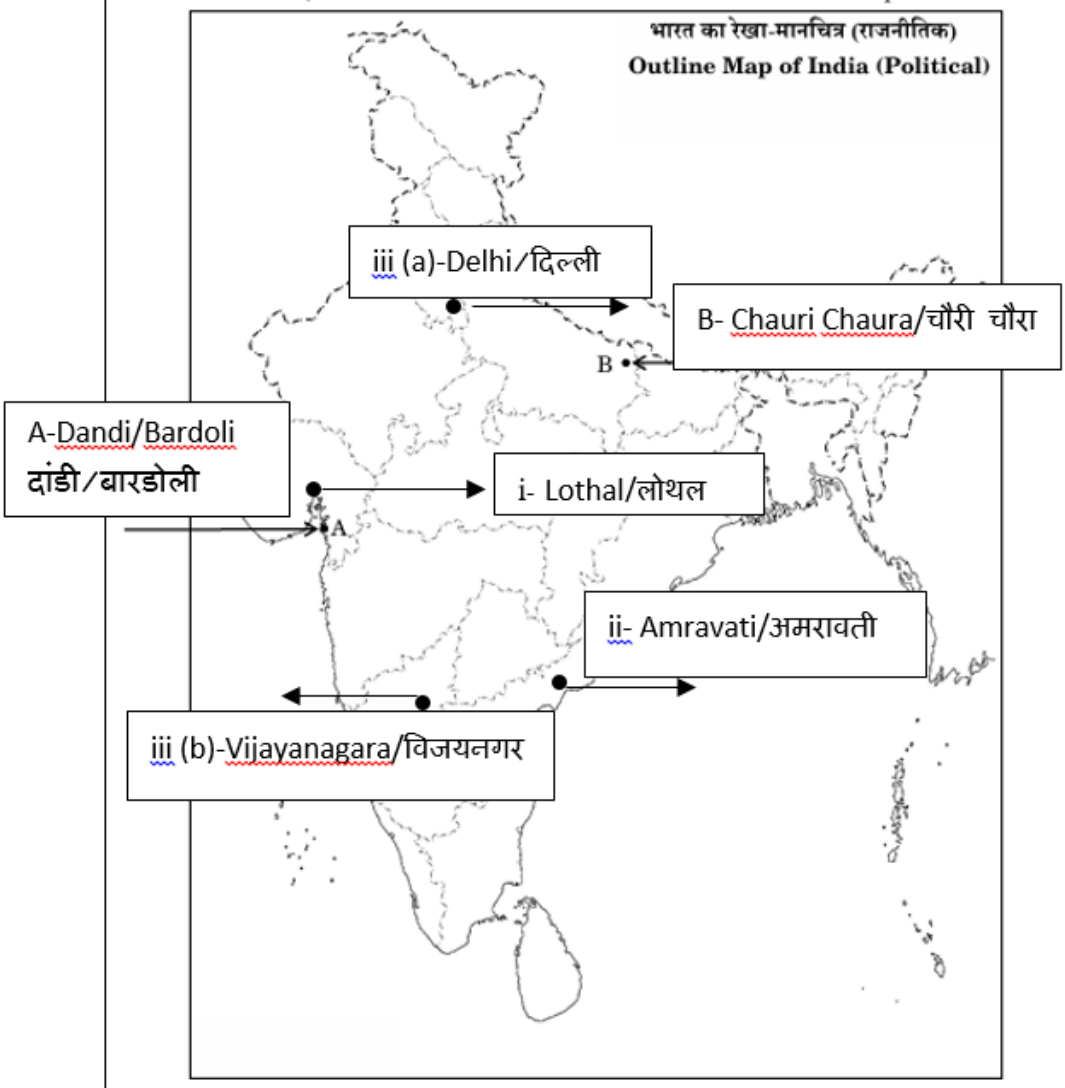

61/3/2 Page 27 of 27